समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास-2, कक्षा - 7

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

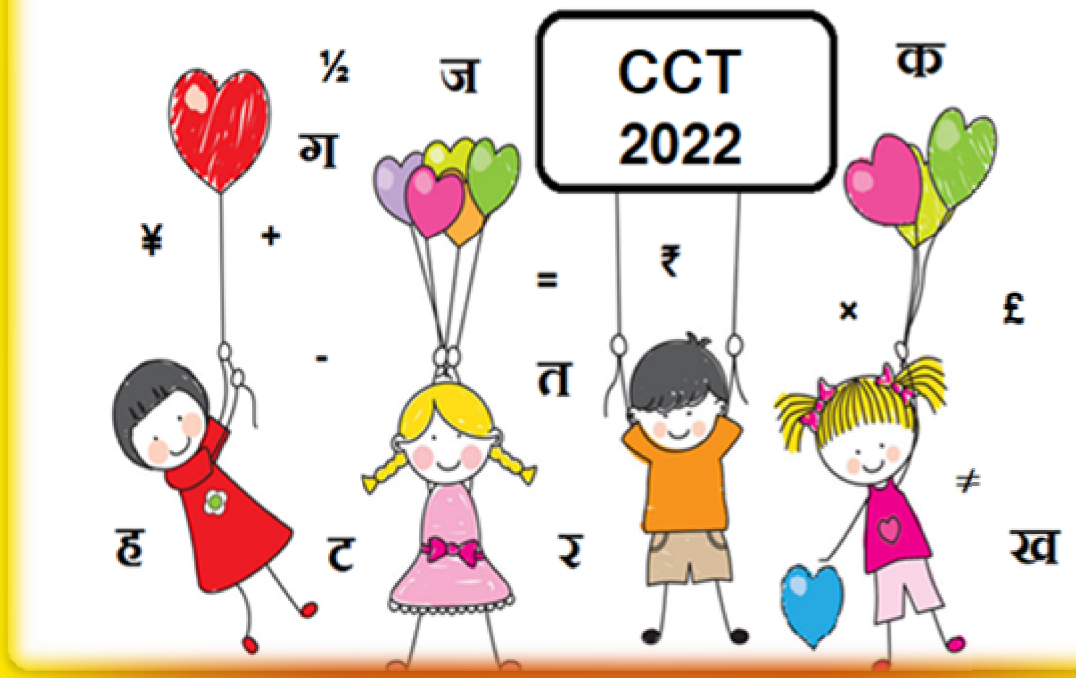

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 8, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

प्राचार्य श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 23, चंडीगढ़

निर्माण समिति :

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
12. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़

दिशा निर्देश :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्त्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	कक्षा : 7 **भाग** - 2 **आयु वर्ग : 12 -13**			
Serial No. **प्रतिमान संख्या**	Name of the Module **प्रतिमान का नाम**	Taxonomy	Source	Page No.
1	पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	6
2	मिसाइल मैन	Understand Evaluate	इंटरनेट से साभार	9
3	पी॰ वी॰ सिंधु	Remember Analyze	इंटरनेट से साभार	12
4	दादी माँ	Remember Evaluate	पाठ्य पुस्तक	15
5	कामवाली	Understand Apply	स्वरचित	18
6	रेल के डिब्बे	Understand create	इंटरनेट से साभार	21
7	उम्मीद	Remember Apply	इंटरनेट से साभार	24
8	ब्रहमदत कहानी	Understand Evaluate	इंटरनेट से साभार	27
9	साहस	Understand Analyze	समाचार पत्र	30
10	संगठन में निहित शक्ति	Understand Apply	स्वरचित	33
11	दृढ़चित वृति	Remember	इंटरनेट से साभार	36

		create		
12	वीर पुरुष	Understand Apply	इंटरनेट से साभार	39
13	पहाड़ से ऊंचा आदमी	Understand Evaluate	पाठ्य पुस्तक	42
14	खान- पान की बदलती तस्वीर	Remember create	पाठ्य पुस्तक	46
15	मान कौर	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	50
16	पार्श्व गायन	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	53
17	माँ : जीवन का आधार	Understand Apply	समाचार पत्र	56
18	एक कदम : शिक्षा की ओर	Remember create	इंटरनेट से साभार	59
19	फास्टफूड	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	62
20	दंड आलेख	Remember create	इंटरनेट से साभार	66

प्रतिमान 1

स्रोत - पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 709. सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। 722. भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।		

पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र हैं। बचपन से ही बच्चों को छोटी-छोटी रंगीन पुस्तकों के माध्यम से उनमें पढ़ने की रुचि को जगाया जा सकता है। यह कार्य केवल माता-पिता ही कर सकते हैं क्योंकि माता को ही बच्चों की पहली शिक्षिका कहा गया है। माता-पिता बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखाते हैं कि बड़ों से किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए। पढ़ने के प्रति लगाव, पुस्तकों की उपयोगिता, पत्र-पत्रिकाओं द्वारा पढ़ने की रुचि जागृत करना क्योंकि पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं। जो हमारे आगे आने वाले जीवन में मित्र के रूप में हमारी हर प्रकार से सहायता करती हैं। जिस प्रकार मित्र हमारे सुख-दुख, विपरीत व अनुकूल परिस्थितियों में हमारे साथ होता है, उसी प्रकार पुस्तकीय ज्ञान भी हमें हर परिस्थिति का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। अच्छी पुस्तकें पढ़ने से हमारा ज्ञानवर्धन होता है, समाज में हमारा सम्मान बढ़ता है। कई छात्र अतिरिक्त पुस्तकें तो क्या अपने पाठ्यक्रम की पुस्तकें भी नहीं पढ़ना चाहते। अतः हमारा कर्तव्य है कि हमें पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ानी चाहिए। पुस्तकालय से उसे रुचिकर पुस्तकें, ज्ञानवर्धक पुस्तकें, प्राचीन साहित्य की जानकारी देने वाली पुस्तकें लेकर पढ़नी चाहिए। साहित्यिक गोष्ठी, कवि सम्मेलन तथा प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी पढ़ने की रुचि

जागृत की जा सकती है। इस प्रकार मिले-जुले प्रयास पुस्तकों के प्रति हमारा लगाव पैदा कर सकते हैं।

1. हमारा सच्चा मित्र कौन बन सकता है?
2. पहली शिक्षिका किसे माना गया है और क्यों?
3. पढ़ने के प्रति रुचि जगाने के लिए क्या करना चाहिए?
4. पुस्तकें ज्ञान का भंडार है, कैसे? अपने अनुभव के आधार पर लिखें।
5. आपके स्कूल में एक पुस्तक विक्रेता से कुछ पुस्तकें मंगवाई गई हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है- 10 पुस्तकें हिंदी, 22 पुस्तकें इतिहास, 13 पुस्तकें अंग्रेज़ी, 20 पुस्तकें बाल कहानी, 3 पुस्तकें गृह विज्ञान, 17 पुस्तकें विज्ञान।

   क) दिए गए आंकड़ों के आधार पर बारंबारता सारणी बनाएं। यह भी बताएं कि पुस्तकों की कुल संख्या कितनी है?

   ख) कौन-सी पुस्तकें सबसे अधिक मंगवाई गई हैं और कौन सी पुस्तकें सबसे कम?

   ग) गृह-विज्ञान की पुस्तकें अंग्रेजी की पुस्तकों से कितनी कम है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक/वर्णनात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : पुस्तकें

No Credit : अन्य विकल्प

2	Full Credit	:	माता रुचि व रुझान पैदा करती है।
	Partial Credit	:	कोई एक
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
3	Full Credit	:	रंगीन पुस्तकों का प्रयोग
	Partial Credit:		मिलता-जुलता उत्तर
	No Credit	:	असंगत/ अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	सटीक अनुभव मान्य होंगे
	Partial Credit:		आंशिक
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	क. बनाई गई सारणी के अनुसार, 85
			ख. अधिक इतिहास,कम गृह विज्ञान
			ग. 10 कम हैं
	No Credit	:	अन्य विकल्प

प्रतिमान 2

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : मिसाइल मैन	

सीखने के प्रतिफल :

702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।

704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं।

714. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।

718. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/ पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध भारत के बारहवें राष्ट्रपति डॉ अबुल पाकिर जैनुल अब्दीन अब्दुल कलाम थे। तमिलनाडु के प्रसिद्ध धर्म स्थान रामेश्वर के धनुष्कोटी गाँव में इनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 ईस्वी को एक मुस्लिम परिवार में हुआ। पिता नौका बनाने का काम करते थे, आमदनी अधिक नहीं थी। बचपन से ही वह तीव्र बुद्धि के बालक थे। वह 3 किलोमीटर की दूरी से अखबार के बंडल लाकर शहर में अखबार बाँटते। अपनी मेहनत एवं लगन से स्कूल एवं कालेज की शिक्षा शानदार ढंग से प्राप्त की। मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लेकर अपने सपनों को सच करने लगे। यहीं से उन्होंने एक रॉकेट इंजीनियर, एयरोस्पेस इंजीनियर व तकनीक वैज्ञानिक की कुशलता प्राप्त की। बाद में उन्हें विज्ञान में सर्वोच्च उपाधि डॉक्टरेट मिली। राष्ट्रपति बनने से पूर्व कॉलेज में विज्ञान के

शिक्षक रहे। बाद में वे कई सरकारी पदों पर कार्य करते रहे। उन्हें प्रधानमंत्री के सुरक्षा सलाहकार का पद भी प्रदान किया गया। सन 1963 में भारत के पहले रॉकेट उड़ान में योगदान को देखते हुए सन 1975 में आप डी.आर.डी.ओ के रॉकेट विशेषज्ञ बन गए। एस. एल. वी. की सफलता के बाद आप प्रधानमंत्री के विज्ञान और तकनीकी सलाहकार बन गए। उनकी सफलताओं में प्रमुख हैं- अग्नि, नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल आदि शक्तिशाली मिसाइलों की सफलता ने तो आपको 'मिसाइल मैन' बना दिया। सन 1990 में आप को 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया। वह सादा जीवन, उच्च विचार की जीती-जागती मूर्ति थे। वे अपने खाली समय में कविताएँ लिखकर या वीणा बजा कर अपना मन बहलाते। 'मेरा देश किसी भी देश से तकनीक न खरीदे, यही उनका उद्देश्य था। उन्हीं के परिश्रम के कारण ही भारतीय सेना की गिनती दुनिया की शक्तिशाली सेनाओं में होती है। विभिन्न सफलताओं के कारण उन्हें देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान "भारत रत्न" से 1997 में सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी. वी. रमन के बाद सर्वोच्च सम्मान पाने वाले यह दूसरे वैज्ञानिक है। कलाम के योगदान स्वरूप सन 1998 में भारत ने परमाणु परीक्षण किया तो विश्व के विकसित राष्ट्रों की आँखें खुल गई और भारत के गौरव के प्रति चकित हो गए। मिसाइलों में प्रयोग की जाने वाली प्रमुख धातु कार्बन की खोज डॉक्टर कलाम ने की। उसी धातु का प्रयोग हैदराबाद के निजाम इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस में अपंग बच्चों की छड़ी बनाने में हो रहा है, जो अपंग बच्चों को तेज भागने में सहायक सिद्ध हुई है। अब्दुल कलाम ने अपनी मेहनत, लगन एवं इच्छाशक्ति से फर्श से अर्श तक जीवन की उड़ान भरी किंतु अपनी सरलता, सादगी, संस्कार नहीं छोड़े। राष्ट्रीय वृक्ष बरगद की तरह अपनी संस्कृति से सदैव जुड़े रहे इसलिए इनका जीवन अनुकरण के योग्य है।

1. किस धातु का प्रयोग अपंग बच्चों की छड़ी बनाने में हो रहा है?
2. भारत रत्न से इन्हें 1997 में सम्मानित किया गया, क्या 1997 वर्ष लीप का वर्ष था ?
3. किस तरह के हथियार सम्पूर्ण मानव जाति के लिए अधिक घातक हैं ?

   क) बंदूक ख) मिसाइल ग) तोप घ) परमाणु बम।
4. कलाम जी तीन किलोमीटर की दूरी से अखबार के बंडल लाकर शहर में अखबार बांटते थे अगर 1 किलोमीटर में 0.621 मील होते हैं, तो 3 किलोमीटर में कितने मील होंगे?

5. कलाम जी का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को हुआ वर्तमान वर्ष में इसकी गणना करते हुए बताएं कि उनका जन्म कितने वर्ष पहले हुआ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विवेचन	तथ्यात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तुलनात्मक/ तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : कार्बन धातु

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : नहीं (4 से विभाजित होने वाला अंक ही लीप वर्ष होगा)

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : घ

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : 0.1863

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : 89 साल पहले (2020 तक गणना करने पर)

No Credit : अन्य विकल्प

प्रतिमान 3

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : पी.वी. सिंधु	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 714. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। 718. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/ पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।		

पी.वी. सिंधु ने जापान की खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर चैम्पियनशिप में पहली बार स्वर्ण पदक जीत लिया। सिंधु ने ओकुहारा को 21-7, 21-7 से पराजित किया। यह मुकाबला 38 मिनट तक चला। भारतीय बैडमिंटन स्टार सिंधु ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही 2017 के फाइनल में ओकुहारा से मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। साल 2017 और 2018 में रजत तथा 2013 व 2014 में कांस्य पदक जीत चुकीं सिंधु ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की और 5-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद वह 12-2 से आगे हो गईं। लगातार तीसरे साल फाइनल में पहुंचने वाली सिंधु ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और 16-2 की लीड लेने के बाद 21-7 से पहला गेम जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने 16 मिनट में पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में सिंधु ने 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत करते हुए अगले कुछ मिनटों में 8-

2 की लीड कायम कर ली। ओलम्पिक पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी ने आगे भी अपने आक्रामक खेल के जरिए अंक लेना जारी रखा। सिंधु ने मुकाबले में 14-4 की शानदार बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक लेते हुए 21-7 से गेम और मैच समाप्त करके बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पहली बार स्वर्ण पदक जीत लिया। बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिंधु के अब पांच पदक हो गए हैं। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं।

1. विश्व बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय खिलाड़ी का नाम बताएं ?
2. पीवी सिंधु ने किस देश के खिलाड़ी को हराकर सर्वप्रथम स्वर्ण पदक प्राप्त किया?
3. पीवी सिंधु ने कौन-कौन से पदक जीते थे ?
4. यदि पी.वी. सिंधु ने कांस्य पदक अप्रैल 2013 में जीता व स्वर्ण पदक अगस्त 2019 में जीता। उन्हें कांस्य पदक को स्वर्ण पदक में बदलने के लिए कितने महीने का समय लगा?
5. बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पहला स्वर्ण पदक जीतने वाला निम्नलिखित में से कौन है ?

(क) साइना नेहवाल (ख) श्रीकांत किदांबी

(ग) पी. वी. सिंधु (घ) गोपीचंद

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत

उत्तरमाला :

1	Full Credit	:	पी. वी. सिंधु
	No Credit	:	अन्य विकल्प
2	Full Credit	:	जापान की नोजामिआकुहारा को
	No Credit	:	अन्य विकल्प
3	Full Credit	:	कुल 5 पदक
	Partial Credit:		आंशिक पदकों के नाम
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	76 महीने
	No Credit	:	अन्य विकल्प
5	Full Credit	:	ग) पी.वी.सिंधु
	No Credit	:	अन्य विकल्प

प्रतिमान 4

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : दादी माँ	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। 720. विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओ, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसा काल, क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।		

दिन में मैं चादर लपेटे सोया था। दादी माँ आई, शायद नहा कर आई थी, उसी झाग वाले जल में। पतले- दुबले स्नेह-सने शरीर पर सफेद किनारीहीन धोती, सन-से सफेद बालों के सिरों पर सद्य: टपके हुए जल की शीतलता। आते ही उन्होंने सर, पेट छुए। आंचल की गाँठ खोल किसी अदृश्य शक्ति धारी के चबूतरे की मिट्टी मुँह में डाली, माथे पर लगाई। दिन-रात चारपाई के पास बैठी रहती, कभी पंखा झलती, कभी जलते हुए हाथ-पैर कपड़े से सहलाती, सर पर दालचीनी का लेप करती और बीसों बार छू-छूकर ज्वर का अनुमान करती। हांडी में पानी आया कि नहीं? उसे पीपल की छाल से छौंका कि नहीं? खिचड़ी में मूंग की दाल एकदम मिल तो गई है? कोई बीमार के घर में सीधे बाहर से आकर तो नहीं गया, आदि लाखों प्रश्न पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देती। दादी माँ को गंवई-गाँव की पचासों किस्म की दवाओं के नाम याद थे। गाँव में कोई बीमार होता, उसके पास पहुँचती और वहाँ भी वही काम। हाथ-छूना, माथा-छूना, पेट-छूना। फिर भूत से लेकर मलेरिया, सरसाम, निमोनिया तक का अनुमान विश्वास के साथ सुनाती। महामारी और विशूचिका के दिनों में रोज सवेरे उठकर स्नान के बाद लवंग और गुड़-मिश्रित जलधार, गुग्गल और धूप। सफाई कोई उनसे सीख ले। दवा में देर होती, मिश्री

या शहद खत्म हो जाता, चादर या गिलाफ़ बदले नहीं जाते तो वे जैसी पागल हो जाती। बुखार तो मुझे अब भी आता है, नौकर पानी दे जाता है, मेस-महाराज अपने मन से पकाकर खिचड़ी या साबू। डॉक्टर साहब आकर नाड़ी देख जाते हैं और कुनैन मिक्सचर की शीशी की तिताई के डर से बुखार भाग भी जाता है, पर न जाने क्यों ऐसे बुखार को बुलाने का जी नहीं होता।

1. “बार-बार छू-छूकर ज्वर का अनुमान करती”। आप ज्वर का अनुमान कैसे करते हैं?
2. किसी भी बीमार के पास पहुँचते ही दादी माँ का क्या-क्या काम होता था?
3. 'पर न जाने क्यों ऐसे बुखार को बुलाने का जी नहीं होता' लेखक ऐसा क्यों कहता है?
4. कुनैन मिक्सचर की शीशी की तिताई के डर से बुखार भाग भी जाता है। आपको कौन-कौन सी वस्तुओं की तिताई का अनुभव है?
5. रहीम की दादी बीमार होने पर डॉक्टर के पास गई। डॉक्टर ने दादी को पर्ची पर बुखार, खांसी व ज़ुकाम की दवा लिख कर दी। डॉक्टर की फ़ीस 150 रुपए चुका कर दादी दवाइयों की दुकान पर पहुंची। बुखार की दवा 47 रुपए, खाँसी की दवा 65 रुपए व ज़ुकाम की दवा 32 रुपए की थी। बताओ दादी ने कुल कितने रुपए खर्च किए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तार्किक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : थर्मामीटर अथवा छूकर

Partial Credit: कोई एक

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

2 Full Credit : पंखा झलना, हाथ पैरों को सहलाना, सिर पर दालचीनी का लेप

Partial Credit : आंशिक

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : कुनैन, मिक्सचर की तिताई के कारण

Partial Credit : मिलता जुलता

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : संगत उत्तर जांचे जाएंगे

Partial Credit : उदाहरण मान्य होंगे

No Credit : असंगत /अस्पष्ट उत्तर

5 Full Credit : ₹294 /-

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 5

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : कामवाली	

सीखने के प्रतिफल :

705. अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।

713. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति-चित्रण आदि

716. भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं जैसे किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग।

717. विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही थी दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।

पुरानी प्रेस हो, घिसी चद्दर हो	कुछ पैसों के लिए, गंदे कपड़े खंगालती
या मैडम का, पुराना सूट हो	फर्शों को खूब चमकाती
वो सब पाकर, खुश हो जाती है।	खूब बेइज़्ज़त भी, वो कभी हो जाती।
ढेरों बर्तनों से बातें करती	काम वाली है --- वह अक्सर रूठ भी जाती।
कभी ज्यादा बोलती, कभी चुप हो जाती	थोड़ा सा प्यार से बोलो, झट मान भी जाती।
डांट खाती, मुँह बनाती, काम पर फिर भी	कभी घर की बड़की बन
हाथ चलाती है।	मालकिन को दुनियादारी, खूब समझाती।
घर के दु:खों को, अपनी चौखट पर छोड़	अमीरी-गरीबी के, इस बेमेल रिश्ते को
दूसरों के सुख बंटाती है।	अनपढ़ होकर भी, इंसानियत का पाठ पढ़ाती।

अदिति गुलेरी

1. कविता में 'मुँह बनाती' शब्द से आपका क्या आशय है?
2. 'सब पाकर खुश हो जाती है' उसके किसी भी दशा में खुश हो जाने के कारण हैं?

   क) सहनशीलता ख) अभाव ग) बेपरवाही घ) लालच
3. 'झट मान भी जाती' आखिर वह झट क्यों मान जाती है?
4. 'कभी-कभी घर की बड़की बन' वाक्य में 'बड़की' शब्द से क्या आशय है?
5. शीला लोगों के घरों मे काम करके अपना घर खर्च चलती है। वह किसी के घर मे साफ सफाई के 1200रु, बर्तनो के 800रु और कपड़े धोने के 650रु महीना लेती है। यदि शीला शर्मा जी के घर साफ सफाई, वर्मा जी के घर साफ सफाई और बर्तन दोनों तथा कपूर जी के घर साफ सफाई और कपड़े धोती है तो बताएं वह महीने के कितने रु कमाती होगी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : गुस्सा होकर अपने भाव प्रकट करना

Partial Credit: आंशिक

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

2 Full Credit : ख (अभाव)

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : प्यार से बोलने पर

	Partial Credit	:	मिलता जुलता
	No Credit	:	अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	सयानी बड़ी और जिम्मेदार
	Partial Credit	:	कोई एक
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	₹5850/-
	No Credit	:	अन्य उत्तर

प्रतिमान 6

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : रेल के डिब्बे	
सीखने के प्रतिफल : 701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 716. भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं जैसे किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

अपने माता-पिता के साथ पटना (बिहार) से भोपाल (मध्य प्रदेश) रेलगाड़ी से जा रही थी। मीना की यह पहली रेल यात्रा थी। वह बहुत उत्सुक व रोमांचित हो रही थी कि रेल के डिब्बे कैसे जुड़कर रेलगाड़ी बनते हैं। वह यह देखकर हैरान थी कि कुछ रेलगाड़ियां इतनी लंबी थीं कि डिब्बे गिनते-गिनते वह गिनती ही भूल जाती और कुछ इतनी छोटी कि गिनना शुरु करती तो डिब्बे खत्म ही हो जाते तो, कहीं अकेला इंजन ही था। एक प्रश्न उसे घेरे जा रहा थे। उसने उत्सुकता वश अपने पिता से रेल के डिब्बों के बारे में पूछा:- ये डिब्बे कहां बनते हैं?

पिताजी ने बताया - इन डिब्बों का निर्माण पैरामबूर एवं चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री तथा कपूरथला में रेल कोच फैक्ट्री में होता हैं

मीना - तो पहली रेल कब, कहां और कैसे चली?

पिताजी - भारत में प्रथम रेल 18 अप्रैल को दोपहर 3:30 बजे बोरीबंदर (मुंबई)से प्रारंभ हुई। इसके लिए तीन भाप इंजन सुल्तान, सिंधु और साहिब ब्रिटेन से मंगवाए गए। 20 डिब्बों में 400 यात्रियों को लेकर यह गाड़ी रवाना हुई। इस रेलगाड़ी ने 34 किलोमीटर का सफर सवा घंटे

में तय किया और सांय 4:45 पर ठाणे पहुंची। इस प्रकार अनेक परिवर्तनों के बाद रेल का जो सफर 1853 को प्रारंभ हुआ, वह अब रूस के बाद विश्व में द्वितीय तथा एशिया में पहले स्थान पर आ चुका है।

मीना - वाह ! रेल की कहानी तो बहुत मज़ेदार है।

पिता - इसके बारे में और भी बहुत सी जानकारियां हैं; जो अभी तुम्हें प्राप्त करनी हैं। यह तो केवल आरंभ की ही कहानी थी।

1. मीना कहां जा रही थी और उसके माता-पिता ने यात्रा के लिए कौन सा माध्यम चुना?
2. रेल डिब्बों का निर्माण देश में कहाँ-कहाँ होता है ?
3. यातायात के सभी साधनों में से पर्यावरण के लिए कौन सा साधन लाभदायक है और क्यों ?
4. यदि रेलगाड़ी द्वारा कालका से शिमला जाने के लिए एक व्यक्ति का किराया ₹37 है तो मीना को परिवार के 7 सदस्यों के लिए कितना किराया चुकाना होगा?
5. वर्ष 1853 में चली रेलगाड़ी के 20 डिब्बों में 400 यात्रियों ने सफ़र किया। यदि आज प्रत्येक डिब्बे में 80 यात्री सफ़र करते हैं तो चंडीगढ़ से प्रयागराज जाने वाली रेलगाड़ी के 24 डिब्बों में कितने यात्री सफ़र करेंगे ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तार्किक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1	Full Credit	:	पटना से भोपाल रेल गाड़ी द्वारा
	Partial Credit	:	आंशिक
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
2	Full Credit	:	पेरंबूर, चेन्नई, कपूरथला
	Partial Credit:		उपर्युक्त में से कोई भी एक
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
3	Full Credit	:	साइकिल, रिक्शा, बैलगाड़ी प्रदूषण कम करने वाले यातायात के साधन हैं
	Partial Credit:		उपर्युक्त में से कोई भी एक
	No Credit	:	असंगत /अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	₹259/-
	No Credit	:	अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	1920 लोग
	No Credit	:	अन्य उत्तर

प्रतिमान 7

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : उम्मीद	
सीखने के प्रतिफल : 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 711. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 713. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति-चित्रण आदि। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

सुप्रसिद्ध लेखक धर्मवीर भारती जी, जुलाई 1989 की घटना को याद करते हुए लिखते हैं:- बचने की कोई उम्मीद नहीं थी तीन-तीन जबरदस्त हार्ट-अटैक, एक के बाद एक। एक तो ऐसा की नब्ज बंद, सांस बंद, धड़कन बंद। डॉक्टरों ने घोषित कर दिया कि अब प्राण नहीं रहे, पर डॉक्टर बोर्जेस ने फिर भी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने 900 वोल्ट के शॉक्स दिए। भयानक प्रयोग। लेकिन वे बोले कि यदि यह मृत शरीर मात्र है तो दर्द महसूस ही नहीं होगा, पर यदि कहीं भी जरा भी एक कण प्राण श्रेष्ठ होंगे तो हार्ट रिवाइव कर सकता है। प्राण तो लौटे, पर इस प्रयोग में 60% हार्ट सदा के लिए नष्ट हो गया। केवल 40% बचा। उसमें भी तीन अवरोध है। ओपन हार्ट ऑपरेशन तो करना ही होगा। पर सर्जन हिचक रहे हैं। केवल 40% हार्ट है। ऑपरेशन के बाद न रिवाइव हुआ तो? तय हुआ कि अन्य विशेषज्ञों की राय ली जाए, कुछ दिन बाद ऑपरेशन की सोचेंगे। बेहाल ऐसी अर्धमृत्यु की हालत में वापस घर लाया जाता हूं। मेरी ज़िद्द है कि बेडरूम में नहीं, मुझे अपनी किताबों वाले कमरे में ही रखा जाए। वहीं लिटा दिया गया मुझे। चलना, बोलना, पढ़ना मना। दिनभर पड़े-पड़े दो ही चीजें देखता रहता, बाईं ओर की खिड़की के सामने रह-रहकर हवा में झूलते सुपारी के पेड़ के झालरदार पत्ते और अंदर कमरे में चारों ओर फर्श से लेकर छत तक ऊंची, किताबों से खचाखच भरी अलमारियां। यह था मेरा छोटा

सा पुस्तकालय। मुझे ऐसा लग रहा था कि जैसे राजा के प्राण उसके शरीर में नहीं, तोते में रहते हैं, वैसे ही मेरे प्राण इस शरीर से तो निकल चुके हैं, लेकिन हजारों किताबों में बसे हुए हैं, जो चालीस-पचास बरस में धीरे-धीरे मेरे पास जमा हुई थीं।

1. यदि 1 मिनट में मनुष्य का दिल सामान्यत: 72 बार धड़कता है तो 3 घंटों में कितनी बार धड़केगा?
2. लेखक को कितने वोल्टस के शॉक्स दिए गए?
3. पुस्तकालय किसे कहते हैं?
4. एक अलमारी में 400 पुस्तकें रखी जा सकती हैं व हमारे पुस्तकालय में कुल 8000 पुस्तकें हैं तो इन्हें रखने के लिए कुल कितनी अलमारियों की जरूरत होगी?
5. अर्ध मृत्यु की हालत में लेखक को क्या काम करने के लिए मना नहीं किया गया?

   क) पढ़ना ख) बोलना ग) सोना घ) चलना

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 12960

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : 900 वोल्ट

No Credit : अन्य उत्तर

3	Full Credit	:	पुस्तकों का घर
	Partial Credit	:	मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	20 अलमारियाँ
	No Credit	:	अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	ग) सोना
	No Credit	:	अन्य विकल्प

प्रतिमान 8

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : कहानी	उप विषय (concept) : ब्रह्मदत्त	
सीखने के प्रतिफल : 701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। 705. अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं। 707. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रक्रिया देते हैं, जैसे बरसात के दिनों में हरा-भरा होना? विषय पर चर्चा। 717. विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही थी दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।		

किसी गांव में ब्रह्म दत्त नाम का एक ब्राह्मण रहता था। एक दिन किसी आवश्यक कार्य के लिए दूसरे गांव में रहने वाले उसके एक मित्र ने उसे अपने यहां आमंत्रित किया। ब्राह्मण चलने को तत्पर हुआ तो उसकी माता बोली," बेटा अकेले मत जाओ। किसी को साथ ले जाओ। "ब्राह्मण बोला," माता जी आप चिंतित न हो। रास्ता ज्यादा लंबा नहीं है। मैं बस यूं समझो कि वहां गया कि लौट कर आया।" "फिर भी बेटा। अकेले जाना ठीक नहीं होता। अच्छा जरा रुको, मैं साथ के लिए किसी का प्रबंध करती हूं।" यह कहकर ब्रह्मदत्त की मां बाहर एक तालाब पर पहुंची और वहां से एक केकड़ा उठा लाई। केकड़े को उसने एक कपूर की डिबिया में रखा और कपूर की डिबिया ब्रह्मदत्त के थैले में डालकर बोली- "यह तुम्हारा राह का साथी रहेगा।" गर्मी का महीना था। रास्ते में कुछ देर विश्राम करने के लिए ब्राह्मण एक घने वृक्ष की छाया में बैठ गया। कुछ ही देर बाद उसे नींद आ गई और वहीं सो गया। तभी समीप की एक झाड़ी से एक काला नाग बाहर निकला और कपूर के सुगंध से आकर्षित होकर ब्रह्मदत्त की ओर बढ़ने लगा। उसने ब्रह्मदत्त के थैले को फाड़ा और उसके अंदर घुस गया। नाग ने डिबिया को छेड़ा तो डिबिया

खुल गई और केकड़ा बाहर निकल आया। केकड़ा नाग की गर्दन से चिपक गया और अपने नुकीले पंजे नाग की गर्दन में गड़ा दिए। कुछ ही देर में उसने नाग की गर्दन काट डाली। नाग उसी स्थान पर तड़प-तड़प कर मर गया। कुछ देर बाद जब ब्रह्मदत्त की नींद टूटी तो उसने अपने समीप मरा हुआ सांप देखा। केकड़ा उसकी गर्दन से चिपका हुआ था। यह दृश्य देखकर ब्रह्म दत्त समझ गया कि उसके सो जाने के पश्चात क्या घटित हुआ था। तब उसके मुंह से हठात यह सब निकल गए, "किसी ने सच ही कहा है। यात्रा कभी अकेले नहीं करनी चाहिए। कोई न कोई सहयात्री अवश्य साथ ले लेना चाहिए। अगर मैंने अपनी माता का कहना न माना होता तो आज मेरी मृत्यु निश्चित थी। इसलिए मैं कहता हूं कि यात्रा के समय साथ रहने वाला दुर्बल व्यक्ति भी उपकारक सिद्ध हो सकता है।"

1. ब्राह्मण का नाम क्या था? वह किस मौसम में यात्रा पर निकला?
2. माता ने ब्राह्मण को अकेले जाने से क्यों मना किया होगा?

   क) मार्ग न भटक जाएँ ख) सुरक्षा कारणों से

   ग)डर न जाएँ घ) उपरोक्त सभी

3. राह में ब्राह्मण का साथी कौन था? उसकी जान कैसे बची?
4. मान लो ब्राह्मण ने जंगल तक की दूरी 3 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से डेढ़ घंटे में पूरी की तो घर से जंगल की दूरी कितनी थी?
5. गर्मी और दोपहर का समय होने के कारण ब्रह्म दत्त की चाल शिथिल हो गई। उसके मित्र का घर अभी भी जंगल से 7.5 किलोमीटर की दूरी पर है। अब वह 2.5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रहा है तो मित्र के घर कितने घंटे में पहुंचेगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : ब्रह्म दत्त, गर्मी का महीना

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

2 Full Credit : घ) उपरोक्त सभी

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : केकड़ा, जब केकड़े ने नाग की गर्दन पर वार किया

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : 4.5 किलोमीटर

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 3 घंटे

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 9

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : संस्मरण	उप विषय (concept) : साहस	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 708. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्रकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। 717. विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही थी दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।		

विवेकानंद जी के जीवन की एक घटना इस प्रकार है। वाराणसी धाम में स्वामी जी गए थे। एक दिन दुर्गा मंदिर से लौट रहे थे कि बंदरों के एक झुंड ने स्वामीजी का पीछा किया। स्वामी जी भागने लगे, बंदर भी पीछे दौड़े। तभी एक वृद्ध संन्यासी ने स्वामी जी को पुकार कर कहा, “रुको,उन जानवरों का सामना करो।” स्वामीजी साहस जुटाकर पलटकर खड़े हुए, बंदर पहले सहसा रुक गए,फिर दुम दबाकर भागे। इस घटना से स्वामी जी को जीवन की एक महत्वपूर्ण शिक्षा मिली। विघ्न-बाधाओं को देखकर कभी भागना नहीं चाहिए, निर्भीक हृदय से उससे आंखें मिलानी चाहिए। परवर्ती जीवन में, न्यूयॉर्क में एक भाषण के समय स्वामी जी ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा था, “यह पूरे जीवन के लिए ये एक शिक्षा है। भयंकर

दुश्मन से भी आंखें मिलाओ। साहस के साथ उसके सम्मुख खड़े हो जाओ। जीवन के दुख -कष्ट को देखकर जब हम भागते नहीं तो वे बंदरों की तरह हमारे पास फटकने का साहस नहीं कर पाते। यदि हमें मुक्ति पाना है, तो प्रकृति पर विजय पाकर उसे पाना होगा। प्रकृति से मुँह मोड़कर नहीं। कायर कभी विजयी नहीं होते। यदि हम चाहते हैं कि भय, बाधा, विपत्ति एवं अज्ञता हम से दूर रहें तो हमें उनके विरुद्ध युद्ध की घोषणा करनी होगी ।"

1. स्वामी जी के साथ क्या घटना घटी और उससे निपटने का किसने उपाय बताया?
2. किन व्यक्तियों को जीवन में सफलता नहीं मिलती?

   क) कायरों को ख) वीर पुरुषों को ग) साहसी पुरुषों को
3. न्यूयॉर्क कहाँ स्थित है? इस घटना का क्या संदेश विवेकानंद जी ने वहाँ दिया था?
4. मनीष ने पाँच दर्जन केले पेड़ के नीचे रखे, बंदर झपट पड़े, जब सभी बंदर चले गए तो पेड़ के नीचे केवल चार केले बचे थे। बताओ बंदरों ने कुल कितने केले खाए?
5. आश्रम से दुर्गा मंदिर के दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। यदि मनीष पैदल दुर्गा मंदिर जाने के लिए 8 मिनट में 500 मीटर की दूरी तय करता है तो उसे मंदिर पहुँचने में कितना समय लगेगा ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : बंदरों के एक झुंड ने स्वामी जी का पीछा किया,

एक वृद्ध संन्यासी ने

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

2 Full Credit : क) कायरों को

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : अमेरिका, कठिनाइयों में भी डटे रहना,

विजयी हमेशा साहसी पुरुष होते हैं

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : 56 केले

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 2 घंटे 8 मिनट

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 10

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : निबंध	उप विषय (concept) : संगठन में निहित शक्ति	
सीखने के प्रतिफल : 705. अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं। 708. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्रकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। 721. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे जाति, धर्म, रंग, लिंग, रीति-रिवाजों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। 722. भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।		

मिलजुलकर कार्य करने की शक्ति को ही संगठन या एकता कहते हैं। संगठन सब शक्तियों का मूल है। कोई भी व्यक्ति चाहे वह कितना ही समृद्ध हो, शक्तिशाली हो अथवा बुद्धिमान हो, अकेले अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता। कोई भी परिवार, समाज तथा राष्ट्र अपनी उन्नति संगठित हुए बिना नहीं कर सकता। बिना संगठन के कोई भी कार्य संभव नहीं है। यह हम भली-भांति जानते हैं कि संपूर्ण सृष्टि का निर्माण भी पांच तत्वों के मेल से हुआ है। संगठन में असीमित शक्ति होती है। संगठित होकर ही कोई भी समाज सुख-समृद्धि तथा सफलता को प्राप्त कर सकता है। ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सम्मुख हैं जो इस बात के प्रमाण हैं। अकेले धागे को कोई भी आसानी से तोड़ सकता है, परंतु अनेक धागों के मेल से बनी रस्सी द्वारा बड़े से बड़े हाथी को आसानी से बांधा जा सकता है। अकेली पानी की बूंद का कोई महत्व नहीं होता, लेकिन जब यह बूंदे नदी का रूप धारण कर लेती है तो वह नदी अपने रास्ते में आने वाले बड़े से बड़े पेड़ों और शिलाओं को भी बहा ले जाती है। उसी प्रकार अकेला मजदूर

एक छोटा सा घर भी बड़ी मुश्किल से बना पाता है, वहीं अनेक मजदूरों ने मिलकर बड़ी-बड़ी ऐतिहासिक इमारतों का निर्माण किया है। इतिहास साक्षी है कि जो देश, जातियां तथा कुटुंब जितने अधिक संगठित रहे हैं उनका संसार में उतना ही अधिक बोलबाला रहा है। हम भली भांति जानते हैं कि भारतवर्ष की परतंत्रता का मूल कारण हमारे अंदर संगठन की कमी थी। अंग्रेजों ने इस बात का लाभ उठाया। उन्होंने हम भारतवासियों में फूट डालकर हमें गुलाम बना लिया था। परंतु जब हमने संगठित होकर संघर्ष किया तो हमारा देश स्वतंत्र हो गया। यह थी संगठन की शक्ति। आज हमें इसकी अत्यंत आवश्यकता है। संगठित होकर ही मजदूर अपने हितों की रक्षा करने में समर्थ हो पाते हैं। आज के संघर्षशील युग में संगठित होकर ही हम अधिक सुखी और समृद्धिशाली बन सकेंगे। आज कोई भी देश, जाति, संस्था अथवा समाज चाहे वह बड़ा हो या छोटा हो बिना संगठन के जीवित नहीं रह सकते हैं।

1. संगठन से क्या अभिप्राय है?
2. गद्यान्श के आधार पर बताएँ कि भारत की परतंत्रता का मूल कारण क्या था?
   क) गरीबी ख) बेरोज़गारी ग) अनपढ़ता घ) संगठन में कमी
3. यदि एक व्यक्ति 1 घंटे में 10 किलो गेहूं बीनता है, तो बताइए कि चार व्यक्ति मिलकर 1 घंटे में कितने **ग्राम** गेहूं बीन लेंगे?
4. निर्माणाधीन इमारत में कुल 230 मजदूर कार्य कर रहे हैं। जिन्हें समान संख्या में इमारत की 5 मंजिलों में बांटा गया है। बताइए प्रत्येक मंजिल पर कितने मजदूर कार्य कर रहे हैं?
5. प्रकृति पंच तत्वों के संगठन से चलती है। प्रकृति के कौन-कौन से जीव/तत्व संगठन का उदाहरण देते हैं? विचारानुसार बताएं।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

5	सृजन	तथ्यात्मक	औसत

1 Full Credit : मिल-जुल कर कार्य करने की शक्ति को ही संगठन या एकता कहते हैं

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

2 Full Credit : घ) संगठन की कमी

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : 40,000 ग्राम

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : 46 मज़दूर

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : धागा/हाथी/पानी की बूँद/मज़दूर इत्यादि

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 11

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : निबंध	उप विषय (concept) : दृढ़चित्त	
सीखने के प्रतिफल : 701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। 718. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/ पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

अब तुम्हें क्या करना चाहिए, इसका ठीक-ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दूसरा कोई नहीं दे सकता। कैसा भी विश्वासपात्र मित्र हो, तुम्हारे इस काम को वह अपने ऊपर नहीं ले सकता। हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुने, बुद्धिमानों की सलाह को कृतज्ञतापूर्वक मानें, पर इस बात को निश्चित समझकर कि हमारे कामों से ही हमारी रक्षा व हमारा पतन होगा, हमें अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखना चाहिए। जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है, उसका सिर कभी ऊपर नहीं होगा। नीची दृष्टि रखने से यद्यपि रास्ते पर रहेंगे, पर इस बात को न देखेंगे कि यह रास्ता कहाँ ले जाता है। चित्त की स्वतंत्रता का मतलब चेष्टा की कठोरता या प्रकृति की उग्रता नहीं है। अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो, इस प्रकार नम्र और महत्वकांक्षी दोनों बनो। अपने मन को कभी मरा हुआ ना रखो। जो मनुष्य अपना लक्ष्य जितना ऊपर रखता है, उतना ही उसका तीर ऊपर जाता है।

संसार में ऐसे-ऐसे दृढ़चित्त मनुष्य हुए हैं जिन्होंने मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ी, अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई काम नहीं किया। राजा हरिश्चंद्र के ऊपर इतनी विपत्तियाँ आई, पर उन्होंने अपना सत्य नहीं छोड़ा। उनकी प्रतिज्ञा यही रही-

" चंद टरै, सूरज टरै, टरै जगत ब्यौहार।

पै दृढ़ हरिचंद को, टरै न सत्य विचार।।"

1. अपने कार्यों के लिए कौन जिम्मेदार होता है?
2. दो मित्र एक रास्ते से विपरीत दिशाओं में यात्रा के लिए जाते है। पहला 55 किलोमीटर की दूरी तय कर के वापस उसी स्थान पर आ जाता है तो दूसरा 35 किलोमीटर की दूरी तय कर के उस से मिलता है। दोनों मित्रों ने कुल कितनी दूरी तय की?
3. राजा हरीशचन्द्र किस गुण के लिए प्रसिद्ध थे?
4. सत्यवादिता के लिए महाभारत में युधिष्ठर प्रसिद्ध रहे थे। एक बार यक्ष ने उन से 16 प्रश्न किए। यदि युधिष्ठर ने इन प्रश्नों के उत्तर एक घंटे में दिए तो उन्हें प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने में लगभग कितना समय लगा ?
5. गदयांश में किस मौलिक अधिकार का ज़िक्र किया गया है ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : हम स्वयं

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

2 Full Credit : 180 किलोमीटर

	No Credit	:	अन्य उत्तर
3	Full Credit	:	सत्य
	Partial Credit	:	मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	3 मिनट 75 सेकंड
	No Credit	:	अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	स्वतंत्रता का अधिकार
	Partial Credit	:	मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	अन्य उत्तर

प्रतिमान 12

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : वीर पुरुष	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 713. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति-चित्रण आदि। 722. भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।		

वीर पुरुष का शरीर कुदरत की समस्त ताकतों का भंडार है। कुदरत का यह केंद्र हिल नहीं सकता। सूर्य का चक्कर हिल जाए तो हिल जाए परंतु वीर के दिल में जो देवी केंद्र है, वह अचल है कुदरत की नीति चाहे विकसित होकर अपने बल को नष्ट करने की हो मगर वीरों की नीति बल हर तरह से इकट्ठा करने और बढ़ाने की होती है। वह वीर क्या, जो टीन के बर्तन की तरह झट से गर्म और ठंडा हो जाता है। सदियों से नीचे आग जलती हो तो भी वह शायद गर्म हो और हजारों वर्ष बरफ उस पर जमती रहे तो भी क्या मजाल जो उसकी वाणी तक ठंडी हो। उसे खुद गर्म और सर्द होने से क्या मतलब! सत्य की सदा जीत होती है। यह भी वीरता का एक चिह्न है। विजय वही होती है जहाँ पवित्रता और प्रेम है। दुनिया धर्म और अटल आध्यात्मिक नियमों पर खड़ी हैं जो अपने आपको उन नियमों के साथ अभिन्न करके रहता है, उसी की विजय होती है।

जब हम कभी वीरों का हाल सुनते हैं तब हमारे अंदर भी वीरता की लहरें उठती हैं और वीरता का रंग चढ़ जाता है परंतु प्राय: वह चिरस्थायी नहीं होता। इसका कारण यही है कि हम केवल दिखाने के लिए वीर बनना चाहते हैं। टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर अपने जीवन के केंद्र में निवास करो सच्चाई की चट्टान पर दृढ़ता से खड़े हो जाओ। बाहर की सतह को छोड़कर जीवन की तहों में घुसो तब नये रंग खिलेंगे।

1. वीर पुरुष का दिल कैसा होता है?
2. रोहन बर्तनों की दुकान पर 5चम्मच, 6गिलास और 4कटोरियां ख़रीदने गया। जिन का मूल्य प्रति इकाई क्रमशः 20रुपये, 45रुपये, 35रूपये है। उसने कुल कितने रुपये ख़र्च किए? अगर उसकी माता ने इन सबको ख़रीदने के लिए एक हज़ार रुपये दिए तो उसके पास शेष कितने रुपये बचेंगे?
3. एक वीर पुरुष की तुलना किस धातु से की गई है?
4. विजय किस व्यक्ति को प्राप्त होती है?

क) स्वार्थी ख) पवित्रता व प्रेम रखने वाले को

ग) चतुर को घ) बलवान को

5 वीर पुरुषों की ऐसी कौन सी विशेषताएं हैं, जो उन्हें अन्य पुरुषों से अलग करती है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	सृजन	तार्किक / तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1	Full Credit	:	अचल
	Partial Credit	:	मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत
2	Full Credit	:	₹ 490
	No Credit	:	अन्य उत्तर
3	Full Credit	:	लोह धातु
	Partial Credit	:	मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	ख) पवित्रता व प्रेम रखने वाले को
	No Credit	:	अन्य विकल्प
5	Full Credit	:	अचल, अटल, नियमों का पालक इत्यादि
	Partial Credit	:	उपरोक्त में से कोई भी एक मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	अन्य उत्तर

प्रतिमान 13

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : पहाड़ से ऊंचा आदमी	
सीखने के प्रतिफल : 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 708. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्रकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। 714. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। 722. भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।		

तीन सौ साठ फीट लंबा और तीस फीट चौड़ा पहाड़ काटने के लिए कितना वक्त लग सकता है। निश्चित ही टेक्नोलॉजी के इस युग में इस सवाल का जवाब इस बात पर निर्भर करेगा कि आप पहाड़ का सीना चीरने के लिए किस मशीन का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन यह पूछा जाए कि इस काम को एक ही शख्स को अंजाम देना हो तो कितना वक्त लगेगा? शायद यह चकरा देने वाला सवाल होगा लेकिन बिहार के गया ज़िले के गेलौर गाँव में एक मज़दूर परिवार में जन्मे एक शख्स ने इसका जवाब अपने बाजूओं और अपनी मेहनत से दिया। पहाड़ को हिला देने वाले दशरथ माँझी ने राजधानी दिल्ली में 2007 में अंतिम साँस ली। उनका जन्म 1934 में हुआ था।

वर्ष 1966 की किसी अलसुबह जब छेनी हथौड़ा लेकर दशरथ माँझी अपने गाँव के पास स्थित पहाड़ के पास पहुँचे तो बहुत कम लोगों को इस बात का पता था कि इस शख्स ने अपने दिल में क्या ठान लिया है। मज़दूरी और कभी कभार इधर-उधर काम करने वाले दशरथ माँझी

ने जब पहाड़ पर छेनी हथौड़ा चलाना शुरु किया तो आने-जाने वाले राहगीरों के लिए ही नहीं, गाँव के लोगों के लिए भी वह एक हँसी का पात्र बन गए थे। जीवन संगिनी फागुनी देवी का समय पर इलाज न करा पाने से उसे खो चुके दशरथ माँझी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। धुन के पक्के दशरथ की अथक मेहनत बाईस साल बाद तब रंग लाई जब उस पहाड़ से एक रास्ता दूसरे गाँव तक निकल आया।

दशरथ माँझी के गाँव से सबसे नज़दीकी वजीरगंज अस्पताल 90 किलोमीटर पड़ता था। दशरथ की पत्नी की तबीयत खराब होने पर उसे वहाँ ले जाने के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया था। उन्हें लगा कि पहाड़ से कोई रास्ता होता तो मैं अपनी पत्नी को वक्त पर अस्पताल ले जाता और उसका इलाज करा पाता। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की एक कविता है: "दुख तुम्हें क्या तोड़ेगा तुम दुख को तोड़ दो। बस अपनी आँखें और औरों के सपनों से जोड़ दो"। गाँव के निवासियों के मन में दबी इस छोटी-सी हसरत को अपनी जिंदगी का मिशन बना डाला और अपनी पत्नी की असामयिक मौत से उपजे प्रचंड दुख को एक नयी संकल्प शक्ति में तब्दील कर दिया। पाँच-छह साल तक दशरथ अकेले ही मेहनत करते रहे। धीरे-धीरे और लोग भी जुड़ते चले गए। वहाँ एक दानपात्र भी रखा गया था जिसमें लोग चंदा डाल देते थे। कई लोग अपने घर से अनाज भी दे देते थे।

गेलौर से वजीरगंज जाने के अस्सी किलोमीटर की दूरी को 13 किलोमीटर ला देने वाला यह रास्ता श्रमिक के प्यार की निशानी है। दशरथ माँझी हमारे बीच नहीं है। लेकिन उन जैसे पात्र हमें पुराणों में मिलते हैं, फिर चाहे प्रोमेथियस हो या भगीरथ। ऐसी शख्सियतें, जो मनुष्य की उद्दाम जिजीविषा को प्रतिबिंबित कर रही होती हैं और अपनी कोशिशों से प्रकृति की दानव शक्तियों और इंसानियत के दुश्मनों से लड़ रही होती हैं। अपने जीवन का फलसफा बयान करते हुए उन्होंने एक पत्रकार को शायद इसलिए बताया था कि पहाड़ मुझे उतना ऊँचा कभी नहीं लगा जितना लोग बताते हैं। मनुष्य से ज़्यादा ऊँचा कोई नहीं होता।

1. दशरथ मांझी द्वारा काटा गया पहाड़ कितने इंच लंबा और कितने इंच चौड़ा था?

   क) 360 फुट लंबा
   ख) 360 फुट लंबा 30 फुट चौड़ा
   ग) 4320 इंच चौड़ा, 360 इंच लंबा
   घ) 4320 इंच लंबा, 360 इंच चौड़ा

2. दशरथ माँझी के जीवन में ऐसी कौन-सी घटना घटित हुई जिससे उन पर पहाड़ चीरने की धुन सवार हो गई?
3. "मनुष्य से ज्यादा ऊँचा कोई नहीं होता' इस पंक्ति का गदयांश के आधार पर उत्तर दें?
4. यदि दशरथ माँझी का जन्म 1934 में हुआ था और पहाड़ तोड़ना उन्होंने 1966 में शुरू किया किया, राजधानी दिल्ली में 2007 में उन्होंने अंतिम साँस ली तो बताएं उनका जीवनकाल कुल कितने वर्ष का था और वह कितने वर्ष के थे, जब उन्होंने पहाड़ तोड़ना आरंभ किया?
5. यदि हम अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में बार-बार असफल हो रहे हो तो क्या हमें जीवन में आगे बढ़ने की आशा को छोड़ देना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	वर्णनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	सृजन	तार्किक	कठिन

1 Full Credit : घ) 4320 इंच लंबा, 360 इंच चौड़ा

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : पत्नी की असमय मृत्यु की घटना ने

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

3 Full Credit : दृढ़निश्चय मनुष्य असंभव कार्य भी कर सकता है।

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4	Full Credit	:	मृत्यु - 73 उम्र, पहाड़ तोड़ना - 32 उम्र
	Partial Credit	:	कोई एक
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	नहीं, तर्कसंगत उत्तर
	Partial Credit	:	नहीं तर्क रहित उत्तर
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 14

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : खान पान की बदलती तस्वीर	
सीखने के प्रतिफल : 701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। 711. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 714. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। 718. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/ पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।		

पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हमारी खानपान की संस्कृति में एक बड़ा बदलाव आया है। इडली-डोसा, बड़ा-सांभर, रसम अब केवल दक्षिण भारत तक सीमित नहीं हैं। ये उत्तर भारत के भी हर शहर में उपलब्ध हैं और अब तो उत्तर भारत की 'ढाबा' संस्कृति लगभग पूरे देश में फैल चुकी है। अब आप कहीं भी हों, उत्तर भारतीय रोटी, दाल, साग आपको मिल ही जाएंगे। 'फास्ट फ़ूड' का चलन भी बड़े शहरों में खूब बड़ा है। इस 'फास्ट फ़ूड' में बर्गर, नूडल्स जैसी कई चीजें शामिल हैं। एक ज़माने में कुछ ही लोगों तक सीमित 'चाइनीज़ नूडल्स' अब संभवतः किसी के लिए अजनबी नहीं रहे। 'टू मिनट्स नूडल्स' के पैकेट बंद रूप से तो कम-से-कम बच्चे-बूढ़े सभी परिचित हो चुके हैं। इसी तरह नमकीन के कई स्थानीय प्रकार अभी तक भले मौजूद हों, लेकिन आलू-चिप्स के कई विज्ञापित रूप तेज़ी से घर-घर में अपनी जगह बनाते जा रहे हैं। गुजराती ढोकला-गाठिया भी अब देश के कई हिस्सों में स्वाद लेकर खाए जाते हैं और बंगाली मिठाइयों की केवल रसभरी चर्चा ही नहीं होती, वे कई शहरों में पहले की तुलना में अधिक उपलब्ध हैं। यानी स्थानीय व्यंजनों के साथ ही अब अन्य प्रदेशों के व्यंजन-पकवान भी प्रायः हर क्षेत्र में

मिलते हैं और मध्यमवर्गीय जीवन में भोजन-विविधता अपनी जगह बना चुकी है। कुछ चीज़ें और भी हुई हैं। मसलन अंग्रेज़ी राज तक जो ब्रेड केवल साहबी ठिकानों तक सीमित थी, वह कस्बों तक पहुँच चुकी है और नाश्ते के रूप में लाखों-करोड़ों भारतीय घरों में सेंकी-तली जा रही है। खानपान की इस बदली हुई संस्कृति से सबसे अधिक प्रभावित नई पीढ़ी हुई है, जो पहले के स्थानीय व्यंजनों के बारे में बहुत कम जानती है, पर कई नए व्यंजनों के बारे में बहुत कुछ जानती है। स्थानीय व्यंजन भी तो अब घटकर कुछ ही चीजों तक सीमित रह गए हैं। मुंबई की पाव-भाजी और दिल्ली के छोले-कुलचों की दुनिया बड़ी ज़रूर है, पर अन्य व्यंजनों की तुलना में छोटी हुई है। इसी संदर्भ में एक आधुनिक दो सितारा होटल का मैन्यू दिया जा रहा है।

1. खानपान के संदर्भ में उत्तर भारत की कौन सी संस्कृति लगभग पूरे देश में फैल चुकी है?
2. राकेश ने ऑनलाइन लंच का आर्डर दिया। उसने स्पेशल थाली मंगवाई, जिसका मूल्य 150 रुपए था। लेकिन उसको डिस्काउंट के रूप में 65 रूपए का कूपन मिला, साथ ही 20 रूपए डिलीवरी चार्ज के रूप में भी देने पड़े। उसे थाली के लिए कुल कितना मूल्य चुकाना पड़ा?
3. वर्तमान में खानपान की तस्वीर बदल रही है। आपके विचार से इसका हमारे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?
4. एक परिवार जन्म दिवस के अवसर पर एक होटल में रात्रि भोज के लिए गया। उन्होंने उस होटल में पनीर चाउमीन, ड्राई मंचूरियन, चीज़ चिली, दो दाल मक्खनी, शाही पनीर और दस तंदूरी रोटी आर्डर किए। बताइए कि कुल बिल कितने रुपए का बना होगा?

5. रोहित अपने मित्रों को चाइनीज़ खाना खिलाने लेकर जा रहा है। उसके पास कुल 300 रूपए हैं। उसने दिए गए मैन्यू में से चार हॉफ प्लेट और एक फुल प्लेट की पांच अलग-अलग चीजें मंगवाता है, जिससे उसके सारे रुपए खर्च हो जाते हैं। तो बताइए उसने क्या-क्या मंगवाया होगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
3	सृजन	तुलनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1	Full Credit	:	ढाबा संस्कृति
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	:	150-65 = 85रु, 85+20=105रु
	Partial Credit	:	105
3	Full Credit	:	विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार मान्य होंगे
	Partial Credit	:	मिलता-जुलता अर्थ
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	80+70+150+180+130+80 = 690रु
	Partial Credit	:	690
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	विद्यार्थियों द्वारा दिए गए आंकड़ों का कुल योग सही
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 15

स्रोत - इंटरनेट से साभार	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : जीवनी	उप विषय (concept) : एथलीट मानकौर	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 714. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। 722. भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।		

देश की सबसे बुजुर्ग एथलीट मान कौर एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार हैं। 24 मार्च से पोलैंड में शुरू होने वाली वर्ल्ड मास्टर गेम्स में मान कौर रजिस्ट्रेशन कर चुकी हैं और यहाँ पर वे दौड़ लगाने वाली दुनिया की सबसे उम्रदराज एथलीट बन जाएंगी। देश का मान बढ़ाने के लिए पंजाब की कौर लगातार मेहनत कर रही हैं। पोलैंड के आयोजकों ने साफ किया है कि 103 साल की मान कौर गेम्स में हिस्सा लेने वाली सबसे बुजुर्ग एथलीट होंगी और वे यहाँ पोलैंड में चार कैटेगरी में हिस्सा लेंगी। इसमें 60 और 200 मीटर रेस के साथ साथ शॉटपुट और जेवेलिन थ्रो में भी वे मेडल के दावेदारों में शामिल होंगी। मान कौर ने इससे पहले 2017 वर्ल्ड मास्टर गेम्स में उन्होंने देश के लिए चार गोल्ड मेडल जीते थे जबकि 2018 स्पेन वर्ल्ड मास्टर गेम्स में उन्होंने दो गोल्ड मेडल पर कब्जा किया था। मान कौर ने दौड़ लगाना तब शुरु किया था जब सभी बुजुर्ग हार मान जाते हैं। उन्होंने 93 की उम्र में बेटे के कहने पर दौड़ लगानी शुरू

की। उन्होंने 102 साल की उम्र में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 100 मीटर स्प्रिंट का गोल्ड मेडल जीतकर सभी को हैरान किया था। इसके बाद उन्होंने ऑकलैंड में स्काई टॉवर पर 'स्काई वॉक' कर रिकॉर्ड बनाया था, उस समय उनकी उम्र 102 साल की थी। यह स्काई टॉवर शहर से 192 मीटर की ऊंचाई पर था। इस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने में मान कौर के 80 साल के बेटे गुरदेव सिंह ने उनका साथ दिया। मान ने अपने बेटे का हाथ पकड़कर यह 'स्काई वॉक' की। ऑकलैंड में मान कौर ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया था। यहाँ उन्होंने जेवेलिन थ्रो में 5 मीटर का स्कोर लगाकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने सैकरामेंटो में पहली बार वर्ल्ड मास्टर गेम्स में हिस्सा लिया था। 100 और 200 मीटर में दो गोल्ड जीतकर उन्होंने रिकॉर्ड बुक में पहली बार इंडिया का नाम दर्ज कराया था। 2011 में ही उन्हें एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया। मान कौर को एथलेटिक्स में लेकर आने वाला उनका बेटा ही है। उनके बेटे गुरदेव की उम्र 80 साल की है और उन्हीं के साथ मान कौर ने ट्रेनिंग शुरू की थी। वे उनके साथ हर वर्ल्ड मास्टर गेम्स में हिस्सा लेते हैं और पोलैंड में भी वे उनके साथ रहेंगे। गुरुदेव कहते हैं कि माँ हमेशा चैंपियनशिप में हिस्सा लेने को बेताब रहती हैं। वे बार-बार पूछती हैं कि अब कितने दिन रह गए हैं। मान कौर को पोलैंड के बाद 2020 में टोरंटो (कनाडा) और 2021 में जापान में होने वाली मास्टर गेम्स में हिस्सा लेना है।

1. मान कौर ने उम्र के किस पड़ाव में दौड़ना शुरू किया?
2. किस स्पर्धा के कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में मान कौर का नाम दर्ज हुआ?
3. 24 मार्च वर्ष 2020 में पोलैंड में होने वाले वर्ल्ड मास्टर खेलों में सबसे बुजुर्ग एथलीट का नाम बताएं?
4. मान लो एक धावक 100 मीटर की दौड़ 15 बार दौड़ता है तो वह कुल कितने किलोमीटर दौड़ा होगा?
5. कपिल ने 500 मीटर की दौड़ एक मिनट में पूरी की वहीं दूसरी तरफ दिनेश ने वहीं दौड़ 1.20 मिनट में पूरी की। दिनेश ने उसी दूरी को पूरा करने में कितना समय अधिक लिया ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 93

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : ऑकलैंड में स्काई टॉवर पर 'स्काई वॉक'

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

3 Full Credit : मानकौर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : 100×15=1500 मीटर

Partial Credit : 1500

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : दिनेश 1.20 मिनट, कपिल 1 मिनट,

अंतर = 0.20 मिनट या 20 सैकंड

Partial Credit : 20

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 16

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : पार्श्वगायन	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 710. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जांच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं। 717. विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही थी दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।		

हिंदी फिल्मों में गीतों का आगमन आलम आरा 1931 से हुआ और तब से ये अब तक लोकप्रिय सिनेमा का अनिवार्य अंग बने हुए हैं। प्रारंभ में अभिनेताओं को अपने गीत खुद ही गाने पढ़ते थे, जो उसी समय रिकॉर्ड किए जाते थे। बाद में जब यह महसूस किया गया कि हर अभिनेता या अभिनेत्री अच्छा गायक भी हो यह जरूरी नहीं तो पार्श्वगायन की प्रथा शुरू हुई और उससे गायन और भी परिष्कृत हुआ। इस बीच रिकॉर्डिंग की तकनीक में भी बहुत सुधार हुआ और उससे भी गायन की शैली में परिवर्तन हुआ। सिनेमा जैसे लोकप्रिय माध्यम में गीत के बोलों को महत्त्व ज्यादा होता है। फिल्म संगीत का उद्गम इस सदी के प्रारंभिक वर्षों में शास्त्रीय संगीत के अलावा कव्वाली ,भजन कीर्तन तथा लोक संगीत के वातावरण में हुआ। गायक को दूर-दूर तक अपनी आवाज पहुँचानी होती थी। प्रारंभिक फिल्मों पर थिएटर का असर था। प्रारंभिक बोलती फिल्मों के लिए गायक भी थियेटर से आए। यह थिएटर परंपरागत रूप से पुरुष का था। जिसमें महिला पात्रों की भूमिकाएँ भी पुरुष करते थे। लेकिन सिनेमा क्योंकि कहीं अधिक यथार्थवादी माध्यम है। उसमें यह चीज नहीं चल सकती थी। जो गायिका फिल्मों के लिए भी आई वे स्वाभाविक ही भिन्न क्षेत्र की थी। किस शैली को फिल्म संगीत का पहला चरण कहा जा

सकता है। फिल्म गायन के दूसरे दौर में ऐसी प्रतिभाएं सामने आई जिन्होंने अपनी आवाज को माइक्रोफोन के अनुकूल स्वाभाविक सुर पर ढालने में सफलता पाई। आवाज़ को स्वाभाविक सुधारने में सफलता पाई। शमशाद बेगम, नूरजहां तथा कुंदन लाल सहगल इसमें शामिल थे। इनके साथ ही फिल्म का दूसरा दौर समाप्त हुआ। माइक्रोफोन के उपयुक्त नई आवाज आई। मोहम्मद रफी, हेमंत कुमार, मन्ना डे, किशोर कुमार, लता मंगेशकर के साथ गायिकी के क्षेत्र में नए दौर की शुरुआत हुई। उनके कंठ की ताज़गी और आकर्षण ने गायन के प्रतिमानो को ही बदल दिया। इसके अतिरिक्त आशा भोंसले, गीता दत्त, सुमन कल्याण पुरी आदि गायिकाओं ने अपनी खास शैली विकसित की।

1. पार्श्व गायन से आप क्या समझते हैं ?
2. भारत की पहली मूक फिल्म थी।

   क) आलम आरा ख) राजा हरिश्चंद्र ग) पुष्पक घ) कर्मा
3. भारत की पहली बोलती फिल्म को प्रदर्शित हुए आज कितने वर्ष हो गए हैं?
4. यदि वर्ष 1960 के आस-पास किसी फिल्म को बनाने के लिए लगभग 30 लाख रुपए का खर्च आता था और आज एक फिल्म बनाने का खर्च लगभग 1.5 करोड़ रुपए आता है तो बताए 1960 से आजतक फिल्म निर्माण खर्च में कितनी वृद्धि हुई ?

   क) दो गुणा ख) तीन गुणा ग) चार गुणा घ) पाँच गुणा
5. आजकल फिल्मों में शास्त्रीय संगीत की झलक बहुत कम देखने को मिलती है इसका क्या कारण हो सकता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	सृजन	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : पर्दे के पीछे से गाना

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : (ख) राजा हरिश्चंद्र

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

3 Full Credit : 2020-1931 = 89 वर्ष

Partial Credit : 89

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : (घ) पांच गुणा

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : पाश्चात्य संगीत के प्रति बढ़ता आकर्षण, रुझान की कमी, गायक और श्रोताओं की कमी, मनोरंजन की बदलती परिभाषा इत्यादि।

Partial Credit : कोई भी दो मिलते-जुलते अर्थ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 17

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग - 2	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : मां-जीवन का आधार	
सीखने के प्रतिफल : 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 705. अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं। 707. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रक्रिया देते हैं, जैसे बरसात के दिनों में हरा-भरा होना? विषय पर चर्चा 717. विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही थी दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।		

'माँ' यह शब्द बड़ा अनमोल है। माँ शब्द ही नहीं बल्कि हमारे जीने का आधार है। बिना माँ के जीवन जीना बहुत मुश्किल है। जब सुबह-सुबह माँ की आवाज़ सुन ले, तब ऐसा लगता है कि सुबह हो गई है। माँ और भगवान में कौन बड़ा है, यह सोचकर बड़ी असमंजस में पड़ जाता हूँ। किसी के भी जीवन में एक माँ सर्वश्रेष्ठ और सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि कोई भी उनके जैसा सच्चा और वास्तविक नहीं हो सकता। माँ हमेशा हमारे अच्छे और बुरे समय में साथ रहती है। माँ के लिए भी उसके बच्चे बहुत कीमती होते हैं। अपने जीवन में वह हमें पहली प्राथमिकता देती है और हमारे बुरे समय में उम्मीद की रोशनी जला देती है। मुझे आज तक नहीं पता चल पाया कि जो मेरे मन में चल रहा होता है, वह मेरी माँ को कैसे पता चल जाता है? माँ और बच्चों का रिश्ता बहुत ही अनमोल होता है, जो कभी खत्म नहीं हो सकता है इसलिए शायद किसी ने खूब कहा है

"माँ और बच्चे का इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता।

पूत कपूत सुने हैं पर ना माता सुनी कुमाता।।"

माँ स्वयं फटे पुराने कपड़े पहने मगर अपने बच्चों के लिए नए कपड़े खरीद कर देती है। खुद गीली जगह सोकर बच्चे को सूखे में सुलाती है और सच में यह कहना बहुत गर्व की बात है कि बड़ी ही किस्मत वाले होते हैं वे लोग जिनकी माँ होती है। माँ अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुज़रने को तैयार रहती है। मनुष्य में ही नहीं हर प्रकार के जीव जंतुओं में माँ का रिश्ता अनमोल रिश्ता है। यदि बच्चे पर आंच आने वाली होती है तो वह वहाँ सबसे पहले आगे आ जाती है और बच्चे की रक्षा करती है। माँ एक गुरु की तरह उसे अपने पास बुला कर समझाती है और ज़रूरत पड़ने पर उसे सख्ती से सीधी राह पर भी लाती है।

1. प्रस्तुत गद्यांश में किसे भगवान के समान बताया गया है?
2. आपकी माता जी का जन्म दिवस कब आता है?
3. राघव रोज़ अपनी माँ से 25 मिनट कहानी सुनता है तो बताइए कुल कितने दिनों में वह 300 मिनट कहानी सुनेगा?

   क)15 दिन ख) 12 दिन ग) 20 दिन घ) 10 दिन
4. वर्ष 2019 में मातृ दिवस 12 मई को मनाया गया। मातृ दिवस व आपके माता जी के जन्म दिवस में कितने दिनों का अंतर है?
5. माँ हर शिशु की पहली शिक्षक होती है। आपकी माँ ने आपको अब तक क्या-क्या बातें सिखाई है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	कठिन
4	विवेचन	तुलनात्मक	कठिन
5	सृजन	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1	Full Credit	:	मां
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	:	विद्यार्थी द्वारा दी गई जानकारी मान्य
3	Full Credit	:	(ख) 12 दिन
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	विद्यार्थी आंकड़े स्वयं निकालेंगे
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	रूचि और रुझानों के प्रति
	Partial Credit	:	मिलता जुलता उत्तर
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 18

स्रोत - इंटरनेट से साभार	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : एक कदम शिक्षा की ओर	
सीखने के प्रतिफल : 703. किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं। 706. विविध कलाओं, जैसे प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

देश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिए समय-समय पर हमारी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। 14 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए शिक्षा पूरी तरह से मुफ़्त व अनिवार्य कर दी गई है। सरकार द्वारा चलाए 'सर्व शिक्षा अभियान' के अंतर्गत स्कूली छात्रों को कक्षा आठवीं तक मुफ़्त भोजन, पुस्तकें, यूनिफ़ार्म व योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है। इसी प्रकार सभी सरकारी स्कूलों में सन् 2014 में छात्रों को यूनिफ़ार्म वितरित की जानी थी। कक्षा अध्यापकों से छात्रों की संख्या के अनुसार कमीज़ों की संख्या मांगी गयी ताकि समयानुसार कमीज़ें तैयार करके छात्रों में बांटी जा सकें। किसी विद्यालय की कक्षा छठी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों का चित्रलेख नीचे दिया गया है :

कमीज़ें	
नाप संख्या	कमीज़ों की संख्या
32	
34	

36	
38	
नोट : = 5 कमीज़ें	

1. सरकार के किस अभियान के अंतर्गत छात्रों को मुफ़्त भोजन, पुस्तकें और यूनिफ़ार्म वितरित की जाती हैं?
2. किस कक्षा तक के बच्चों के लिए उपरोक्त सुविधाएं उपलब्ध हैं ?
3. चित्रलेख को देखकर बताएं कि किस नाप संख्या में कमीज़ों की कुल संख्या 25 है?
4. कुल कितनी कमीज़ों का आर्डर दिया गया है?
5. कौन-सी नाप संख्या की कमीज़ें किन्ही दो अन्य नाप संख्या की कमीज़ों से दुगुनी है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तार्किक	औसत
5	सृजन	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : सर्व शिक्षा अभियान

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2	Full Credit	:	कक्षा आठवीं तक
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	:	नंबर 36
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4	Full Credit	:	20×5=100 कमीजें
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	:	34 नंबर की कमीजे, 32 नंबर की कमीज़ों से दोगुनी है।
	Partial Credit	:	कोई एक
	No Credit	:	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 19

स्रोत - पत्रिका	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गदयांश	उप विषय (concept) : फास्ट फूड	
सीखने के प्रतिफल : 702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। 709. सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं। 710. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जांच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं। 719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

महज 10 साल का अनुराग न केवल मधुमेह जैसी बीमारी का शिकार है बल्कि वह हृदय रोगी भी हो चुका है। आज उसके माता-पिता उसे जबरदस्ती व्यायाम का रास्ता दिखा रहे हैं लेकिन उसका थुलथुल शरीर अब साथ नहीं दे पा रहा है। ऐसा नहीं है कि वह हमेशा से ही ऐसा था। वह भी स्वस्थ था लेकिन 'जंक फूड' की ललक ने उसे इस कगार पर पहुँच दिया है। हालांकि यह हाल सिर्फ अनुराग का ही नहीं है, बल्कि इसकी चपेट में वे तमाम बच्चे आ रहे हैं जो जंक फूड संस्कृति के जाल में फंस चुके हैं। आधुनिक रहन-सहन और दौड़-धूप से भरी ज़िदगी ने मनुष्य के जीवन में कई परिवर्तन किए हैं। आज लोगों के पास समय का अभाव है, इस व्यस्त जिंदगी में सब कुछ फास्ट हो गया है और इसी जल्दबाजी ने मनुष्य को भोजन की एक नई शैली के जाल में फंसा दिया है। इसे फास्ट फूड या जंक फूड कहते हैं। समय के साथ परिवर्तन होना स्वाभाविक है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर परिवर्तन सही हो। फास्ट फूड भी भोजन शैली में आया ऐसा परिवर्तन है जिसे अच्छा कतई नहीं कहा जा सकता। देश का भविष्य; बच्चे इसकी गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य खो रहे हैं।

चिकित्सकों और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार फास्ट फूड खाने के आदि बच्चे ऐसी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं जो बुढ़ापे की बीमारियाँ समझी जाती हैं। महानगरों के स्कूलों में

पढ़ने वाले 60 फीसदी बच्चे सिर्फ फास्ट फूड पर चलते हैं, बल्कि यह कहना ज्यादा उचित होगा कि उन्हें फास्ट फूड का चस्का लगा हुआ है। नतीजा बड़ा ही खौफनाक है- फास्ट फूड ने अमेरिका में मोटापे को महामारी के स्तर तक फैला दिया है। भारत जैसे विकासशील देश में भी मोटापे की समस्या खतरनाक स्तर तक बढ़ चुकी है। पिछले तीन वर्षों में देश में मोटे बच्चों की संख्या में 24 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में देश के कुल बच्चों में से 16 प्रतिशत मोटापे से जूझ रहे हैं। जिस तरह से फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है, उसे देखते हुए बच्चों का मोटापा घटना बड़ा मुश्किल है।

पिछले दिनों तक चौंकाने वाली खबर में पता चला कि मुंबई में 11 वर्षीय अनामिका (बदला हुआ नाम) का मोटापा कम करने के लिए उसकी बैरियाट्रिक सर्जरी करनी पड़ी। लंबे इंतजार के बाद जन्मी अनामिका को उसके माता-पिता ने लाड़-प्यार के नाम पर ऐसे तमाम खाद्य-पदार्थ खिलाए, जिन्हें जंक फूड कहा जाता है। शारीरिक श्रम या खेलकूद से दूर रहने वाली वह छोटी बच्ची घर से स्कूल तक कार से जाती थी। नतीजा यह हुआ कि 11 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उसका वजन 96 किलोग्राम हो गया। स्कूल में बच्चे तो उसका मजाक बनाते ही थे, वह थोड़ा-सा चलने पर ही हाँफने भी लगती थी। मजबूरन, उसके माता-पिता को सर्जरी का फैसला लेना पड़ा। इतनी कम उम्र में किसी बच्चे की ऐसी सर्जरी के मामले कम ही सुनाई देते हैं। लेकिन ये मामले अब बढ़ने लगे हैं।

1. फास्ट फूड स्वास्थ्यवर्धक भोजन नहीं है, फिर भी बच्चों की सबसे पहली पसंद है। क्यों?
2. एक 11 वर्ष के बच्चे का वजन 96 किलोग्राम है। यदि उसका वजन लगातार हर महीने डेढ़ किलोग्राम बढ़ता है तो उसका भार 13 साल का होने पर कितना होगा?
3. फास्ट फूड का चलन अधिक होने का क्या कारण है?
4. आधुनिक समय में व्यायाम का हमारे जीवन में क्या महत्व है?
5. अनुराग अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक पार्टी देना चाहता हैं। वह सब को बर्गर खिलाना चाहता है, जो रूपए 25 का एक आता है। उसके कुल 21 मित्र हैं। घर के काम में सहायता देने वाली के दोनो बच्चों को भी बर्गर खिलाना चाहता है। घर के 6 सदस्यों

के लिए भी खरीदना चाहता है। वह कुल कितने बर्गर लेगा और उसने दुकानदार को कितने पैसे दिए?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
3	सृजन	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : विद्यार्थियों के उत्तर मान्य होंगे।

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 1 साल= 12 महीने 24×1.50 कि.ग्रा. = 36 कि.ग्रा.

96+36=132कि.ग्रा.

Partial Credit :132

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

3 Full Credit : जल्दी बनना, स्वादिष्ट, उपलब्धता इत्यादि

Partial Credit: कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : विद्यार्थियों के तर्कसंगत उत्तर स्वीकार्य होंगे

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : 21+2+6=29 लोग, 29×25=725 रु

Partial Credit : कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 20

स्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - 7	भाग - 2
पाठ का प्रकार : दंड आलेख	उप विषय (concept) : दंड आलेख	
सीखने के प्रतिफल : 703. किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं। 706. विविध कलाओं, जैसे प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं। 711. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 718. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/ पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।		

- दंड आलेख में नदियों के लंबाई किलोमीटर में बताई गई है उस के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें :

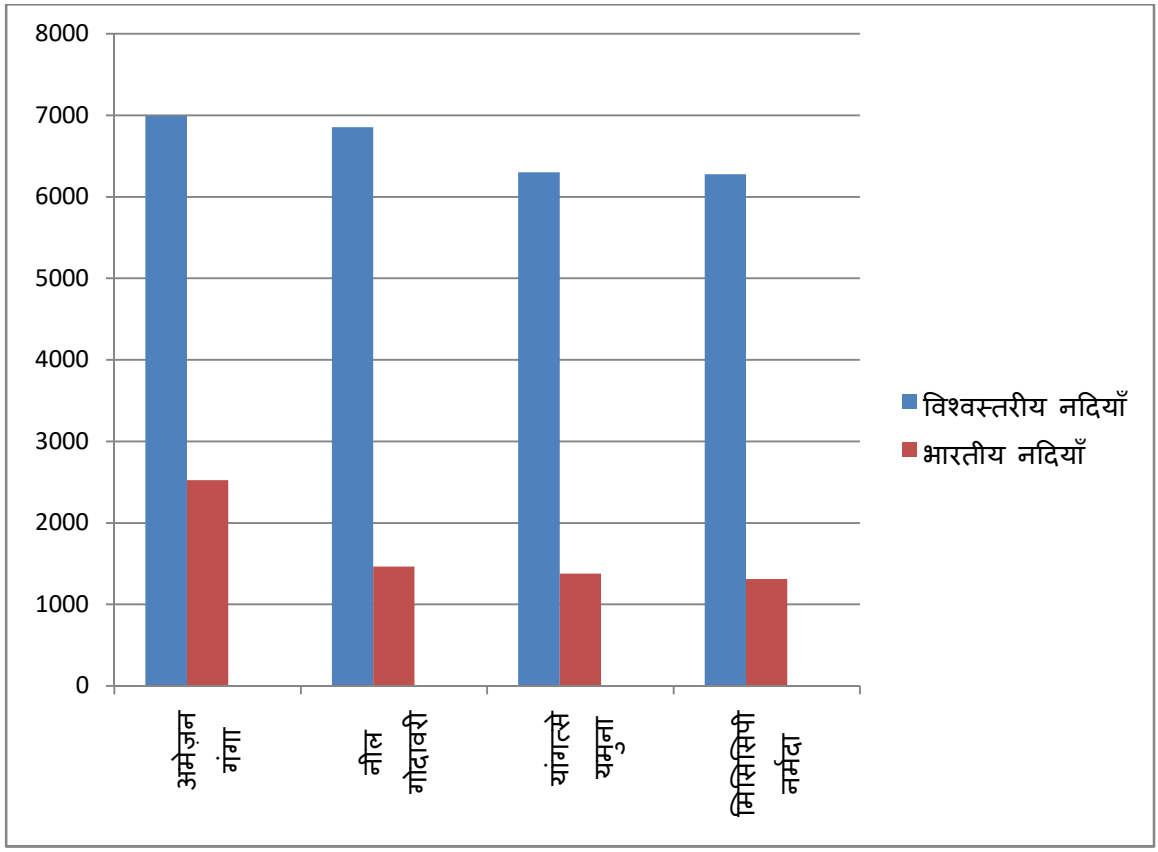

1. विश्व की सबसे लंबी नदी कौन सी है?
2. दंड आलेख के आधार पर भारत की सबसे छोटी नदी का नाम बताएं?
3. एक समुद्री जहाज 27 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलता है। यदि वह अमेज़न नदी को पार करने की शुरुआत सुबह 4:00 बजे से करता है तो बताएं उसे अमेज़न नदी के अंतिम छोर तक पहुंचने में कितना समय लगेगा?

   क) 150 घंटे ख) 220 घंटे

   ग) 259 घंटे घ) 274 घंटे
4. दंड आलेख को ध्यान मे रखते हुये अमेज़न नदी तथा गोदावरी नदी की लंबाई मे अंतर ज्ञात करें।
5. भूमिगत जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। आपके विचार से भविष्य में इस संबंधी किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	सृजन	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : अमेजन नदी

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : नर्मदा

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

3 Full Credit : ग) 259 घंटे

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : 7000-1500=5500 किलोमीटर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : सूखा, पीने के पानी की कमी, जीवन का संकट इत्यादि

Partial Credit : कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर